निश्चय IAS Academy परिवार ने सहज रहने एवं निरंतर मेहनत करने की सीख दी

UPPCS-2015

मंगलेश दुबे

GS हिन्दी : उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. परीक्षा में शानदार सपफलता के लिए आपको हाख़दक बधई।

मंगलेश दुबे : जी बहुत–बहुत ध्न्यवाद!

GS हिन्दी : आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ? इनके चयन का आधर क्या था?

मंगलेश दुबे : मेरा वैकल्पिक विषय दर्शनशास्त्रा एवं भूगोल रहा तथा चयन का आधर, बेहतर मार्गदर्शन एवं सम्पूर्ण परीक्षा प्रणाली में इनका व्यापक महत्व था।

GS हिन्दी : आपने पी.सी.एस. परीक्षा की तैयारी आरंभ कैसे की ? तैयारी आरंभ करते समय आपने किन पहलुओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया।

मंगलेश दुबे : मैने स्नातक प्रथम वर्ष से ही पी.सी.एस. परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने शुरू में NCERT की पुस्तकों का अध्ययन किया तथा इनका संक्षिप्त नोट्स बनाया। विशेष रूप से मैनें मुख्य परीक्षा एवं प्रारंभिक परीक्षा दोनों की समग्र, एकीकृत, समन्वित रणनीति पर बल दिया और **निश्चय IAS Academy Foundation Course** में **Admission** लिया मेरी रणनीति व्यापक, समग्र व एकीकृत हुई। साथ ही मैनें लेखन–शैली, टेस्ट लेखन अभ्यास पर भी बल दिया।

GS हिन्दी : क्या वैकल्पिक विषयों के चयन में आपने कथित लोकप्रियता को भी आधर बनाया ?

मंगलेश दुबे : नहीं, बल्कि जिनका सम्पूर्ण परीक्षा प्रणाली में महत्व था, उनको मैनें अपने चयन का आधर बनाया।

GS हिन्दी : प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के विस्तृत पाठ्यक्रम को देखते हुए इसकी तैयारी के लिए आपने क्या रणनीति अपनायी ?

मंगलेश दुबे : सबसे पहले मैनें सिलेबस के प्रत्येक बिन्दुओं पर अपनी समझ बनाई। उनके संक्षिप्त नोट्स भी बनायें। विश्वसनीय प्रासंगिक पुस्तकों का अध्ययन भी किया। साथ ही समाचारपत्रों, पत्रा–पत्रिकाओं, का समाचार चैनलों पर प्रसारित चर्चा को भी निरंतर रूप से सुनता व उन पर अपने ग्रुप में चर्चा करता था तथा इसमें **निश्चय IAS (यशवंत सर)** तथा समस्त टीम का सहयोग सराहनीय रहा।

GS हिन्दी : तैयारी में पत्रा–पत्रिकाओं से आपको कितनी सहायता मिली ? आपने किन पत्रा–पत्रिकाओं का अध्ययन किया ? सिविल सेवा परीक्षा के लिए इन पत्रा–पत्रिकाओं की कितनी उपयोगिता है ?

मंगलेश दुबे : पत्रा–पत्रिकाएं वर्तमान परीक्षा प्रणाली में बदलते ट्रेंड़ को अभ्याख़थयों तक आसानी से पहुंचाते है। साथ ही राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, आख़थक, सामाजिक विषयों पर विश्वसनीय, प्रासंगिक, गुणवत्तायुक्त सामग्री भी इनको पढ़कर आसानी से मिल जाती है। मैंने दी हिन्दू,, योजना, कुरूक्षेत्रा, दैनिक जागरण राष्ट्रीय संस्करण का अध्ययन किया।

GS हिन्दी : क्या आपने अपना नोट्स बनाया ? ये नोट्स किस प्रकार उपयोगी रहे ? एक ही को¯चग संस्थान के नोट्स का उपयोग कई छात्रा करते हैं। ऐसे में इस नोट्स को औरों से अलग बनाने हेतु आपने क्या रणनीति अपनाई ?

मंगलेश दुबे : हाँ, मैंने खुद नोट्स बनाया। इससे परीक्षा के नजदीक में इनका रिविजन बहुत जल्दी हो जाता है तथा उत्तर में कई बहुआयामी दायरों को शामिल किया जा सकता है। इसमें एक ही तरह के को¯चग नोट्स के दुहरापन को भी दूर किया जा सकता है और अपनी मौलिकता का परिचय दिया जा सकता है।

GENERAL STUDIES HINDI

GS हिन्दी : क्या आपने को¯चग भी ली ? को¯चग किस प्रकार उपयोगी रहे ?

मंगलेश दुबे : हाँ, मैनें **निश्चय IAS Academy** से प्रारंभिक, मुख्य एवं साक्षात्कार ;तीनों परीक्षाद्ध की को¯चग ली। **यशवंत सर एवं उनकी टीम** का व्यक्तिगत मार्गदर्शन, निरंतर अपने लक्ष्य के लिए प्रेरित करते रहना, ने मेरी सपफलता में निर्णायक भूमिका निभाई है। **निश्चय IAS Academy का Foundation Course, निरंतर Test Series** का आयोजन बहुत ही लाभदायक रहा। **(निश्चय के Test Series बेहतरीन हैं क्योंकि मॉडल उत्तर तथा Discussion कापफी उत्कृष्ट हैं।)**

GS हिन्दी : वैसे छात्र जो तैयारी हेतु को¯चग की सहायता चाहते हैं, उन्हें आप क्या सुझाव देंगें ?

मंगलेश दुबे : को¯चग के बड़े–बड़े नाम, सपफल छात्राों के पफोटों को शृंखला पर न जाकर, को¯चग संस्थान द्वारा प्रदत्त ज्ञान की गुणवत्ता, उनका बदलते परीक्षा अनुरूप सामग्री में परिवर्तन, उनका व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं लेखन कला पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने को भी आधर बनाना चाहिए एवं अपने विवेक से विद्यार्थी को¯चग करने या न करने का निर्णय ले सकते है। वैसे सही को¯चग विद्यार्थी का समय व ऊर्जा दोनों बचाते हैं।

GS हिन्दी : परीक्षा के तीनों चरणों ;प्रारंभिक, मुख्य एवं साक्षात्कारद्ध की तैयारी की रणनीति आपकी एक जैसी रही या उसमें बदलाव भी किए?

मंगलेश दुबे : प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट के लिये नियमित अभ्यास किया, साथ ही सामान्य अध्ययन के लिए **निश्चय IAS** के प्रिटेंड तथा क्लास नोट्स से बिन्दुवार नोट्स तैयार किये। मुख्य परीक्षा का नियमित लेखन अभ्यास मेरी शक्ति बना। जबकि साक्षात्कार के लिए **निश्चय IAS** का मार्गदर्शन व मित्रों के साथ हुआ साक्षात्कार लाभदायक रहा।

GS हिन्दी : सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू करने का आदर्श समय क्या होना चाहिए ?

मंगलेश दुबे : स्नातक के प्रथम वर्ष से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

GS हिन्दी : परीक्षा के तीनों चरणों की तैयारी के लिए आप कितना समय उपयुक्त मानते हैं ?

मंगलेश दुबे : 2 साल। विस्तृत पाठ्यक्रम पर बुनियादी समझ हेतु इतना समय जरूरी है।

GS हिन्दी : परीक्षा भवन में प्रश्नों को हल करने के लिए प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा में आपने क्या कोई विशेष रणनीति अपनायी?

मंगलेश दुबे : प्रारंभिक परीक्षा के दौरान मैंने सर्वप्रथम उन प्रश्नों को हल किया जिन पर मैं पूर्ण आश्वस्त था। मुख्य परीक्षा के दौरान मैंने समय प्रबंध्न का, सभी प्रश्नों का उत्तर देने का तथा उत्तर लिखने के पहले उनका एक खाका बनाने पर भी जोर दिया।

GS हिन्दी : अपने निबंध की तैयारी कैसे की और परीक्षा भवन में इसके चयन और लेखन के लिए क्या रणनीति अपनायी ?

मंगलेश दुबे : निबंध हेतु मैंने स्वयं के नोट्स बनाये। सामान्य अध्ययन की तैयारी के दौरान विविध विषयों पर अच्छी समझ बनाने का प्रयास किया तथा मित्रों के साथ इस पर लेखन अभ्यास का भी प्रयास किया। परीक्षा भवन में इसके चयन हेतु अपनी रूचि, टॉपिक का समग्र दृष्टिकोण ;जिस पर मेरा थाद्ध उसको चयन का आधर बनाया। साथ ही दर्शनशास्त्रा से संबंधित टॉपिक को भी आधर बनाया तथा निबंध के लिए **निश्चय IAS** में क्लास की यशवंत सर के पढ़ाये गये निबंध में 2 निबंध प्रश्न पत्रा में हुबहु आया था। अतः मेरी राय में निबंध एवं केश स्टडी के सम्बंध में यशवंत सर की कक्षा अवश्य ही उपयोगी साबित होगी।

GS हिन्दी : उत्कृष्ट उत्तर लेखन शैली क्या होनी चाहिए ? इसके लिए आपने तैयारी के दौरान क्या तरीका अपनाया?

मंगलेश दुबे : इसमें प्रश्न के अनुरूप उत्तर होना चाहिए, भटकाव नहीं हो। संक्षिप्त, विश्लेषणात्मक, अंतरविषयक, तुलनात्मक अध्ययन का दृष्टिकोण होना चाहिए। साथ ही वर्तमान की प्रासंगिक घटनाओं से तुलना भी चाहिए। तैयारी के दौरान मैनें निरंतर लेखन अभ्यास, उत्तर की ड्राफ्रिटंग तथा विविध टॉपिक को एक–दूसरे से जोड़ने पर बल दिया।

GS हिन्दी : मुख्य परीक्षा में प्रश्नोत्तर के दौरान किन पहलुओं का विशेष ध्यान देना चाहिए ?

मंगलेश दुबे : प्रश्न को 2–3 बार बढ़कर उसके मूल मांग को समझने पर बल दिया। उत्तर लिखने से पहले उसकी ड्राफ्रिटंग, तुलनात्मक विश्लेषण तथा वर्तमान की कुछ घटनाओं को जोड़ने, केस स्टडी को संक्षिप्त रूप से डालने पर बल दिया।

GS हिन्दी : हिन्दी भाषा माध्यम के कारण क्या आपको कोई लाभ हुआ ? क्या आप मानते हैं कि अंग्रेजी भाषी लाभप्रद स्थिति में होते है। ?

मंगलेश दुबे : भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है जिस भाषा में आप सहज तरीके से अपनी बात कह सकें वह ज्यादा महत्वपूर्ण है। मेरा माध्यम हिन्दी था, मेरा मानना है कि अंग्रेजी भाषा मात्रा से कोई लाभप्रद स्थिति में नहीं होता बल्कि प्रस्तुतीकरण उसको विशेष बना देती है।

GS हिन्दी : आपने साक्षात्कार की तैयारी कैसे की ?

GENERAL STUDIES HINDI

मंगलेश दुबे : मैनें इसके लिए **निश्चय IAS** में मॉक इंटरव्यू तथा **यशवंत सर** का मार्गदर्शन लिया। **यशवंत सर** का व्यक्तिगत मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण रहा। अपने मित्रों के साथ सामूहिक परिचर्चा किया साथ ही टीवी चैनलों की चर्चाओं को भी सुनना तथा स्वयं के प्रस्तुतीकरण को सुधरता रहा।

GS हिन्दी : आपका साक्षात्कार कैसा रहा ? आपसे कौन से प्रश्न पुछे गए ? किसी प्रश्न पर आप नर्वस भी हुए ?

मंगलेश दुबे : मुझसे अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े कई प्रश्न पूछे गये। बोर्ड का रवैया बेहद सहयोगात्मक था।

GS हिन्दी : जो छात्रा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी आरंभ करना चाहते हैं, उनको आप क्या सुझाव देगें ?

मंगलेश दुबे : अपने लक्ष्य को अपना मिशन बनाये। स्वयं की क्षमता पर विश्वास रखें, अच्छा मार्गदर्शक चुने, अच्छा समूह बनाये और सब कुछ भूलकर अपनी समस्त ऊर्जा एक बिन्दु पर केन्द्रित करें, आपको सपफलता अवश्य मिलेगी।

GS हिन्दी : क्या आपकी पृष्ठभूमि ने आपकी सपफलता में किसी प्रकार का योगदान किया ?

मंगलेश दुबे : मैं ग्रामीण पृष्ठभूमि का हूं। इसने मुझे बड़ा सपना देखने, उसको पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम करने को प्रेरित किया साथ ही दूसरों के लिए प्रेरणा बनने को भी प्रेरित किया ताकि मैं ग्रामीण विकास के जरिये देश के विकास में अपना योगदान कर सकूं।

GS हिन्दी : यदि कोई ग्रामीण पृष्ठभूमि का या आखथक रूप से कमजोर कोई छात्रा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी आरंभ करना चाहते हों, तो ऐसे छात्रों को क्या करना चाहिए ?

मंगलेश दुबे : सबसे पहले यह समझ ले कि आप किसी से कम नहीं है। सही रणनीति, सही मार्गदर्शन, कठोर परिश्रम आपके सपने को पूरा करेगा। आप सिलेबस के समस्त बिन्दुओं पर अपनी राय बनायें तथा पूरी ऊर्जा के साथ लग जाए। आपको सपफलता अवश्य मिलेगी।

GS हिन्दी : GS हिन्दी को साक्षात्कार देने के लिए ध्न्यवाद।

मंगलेश दुबे : बहुत–बहुत ध्न्यवाद!

अनुशंसित पुस्तक सूची

प्रारंभिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन : NCERT (6 to 12), **निश्चय IAS** के क्लास तथा प्रिटेंड नोट्स , **GS हिन्दी वेबसाइट**

प्रारंभिकी परीक्षा

सामान्य अध्ययन–**निश्चय IAS** के क्लास तथा प्रिटेंड नोट्स + NCERT (6 to 12), Indian Economy Survey, ARC Report

वैकल्पिक विषय : निश्चय IAS के क्लास नोट्स।

पत्रा एवं पत्रिाकाएं : 1. योजना, 2. कुरूक्षेत्रा

GENERAL STUDIES HINDI